भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 2577

दिनांक 04 अगस्त, 2026 के लिए उत्तर

तमिलनाडु में आरजीएम का कार्यान्वयन

2577. श्री जी. सेल्वमः

श्री सी. एन. अन्न नादुरईः

डॉ. रानी श्रीकुमारः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) लागू किया है और यदि हां, तो स्वीकृत परियोजनाओं और उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु के लिए मिशन के तहत स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा तथा घटक-वार प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या तमिलनाडु में स्वदेशी नस्ल विकास, कृत्रिम गर्भाधान, भ्रूण स्थानांतरण तकनीक, वीर्य स्टेशनों, गोकुल ग्राम, इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) सुविधाओं और अन्य गोवंश प्रजनन बुनियादी ढांचों के लिए सहायता प्रदान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का तमिलनाडु में गोकुल ग्राम, वीर्य स्टेशनों, आईवीएफ प्रयोगशालाओं और नस्ल गुणन फार्मों सहित गोवंश प्रजनन बुनियादी ढांचे को और सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत तमिलनाडु में स्वदेशी मवेशी संरक्षण, आनुवंशिक सुधार, उच्च दुग्ध उत्पादकता और सतत डेयरी विकास को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क), (ख), (ग) और (ङ) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) देसी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाईनों की आबादी में आनुवंशिक सुधार और दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए कार्यान्वित किया गया है। इस योजना के अंतर्गत, पिछले 3 वर्षों के दौरान तमिलनाडु को जारी की गई 12,521.83 लाख रुपये की केंद्रीय सहायता का राज्य द्वारा उपयोग किया गया है। तमिलनाडु राज्य में RGM योजना के अंतर्गत प्रदान की गई सहायता का घटकवार विवरण संलग्न है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान, राज्य में डेयरी अवसंरचना के सृजन और उसके सुदृढ़ीकरण के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) योजना के अंतर्गत तमिलनाडु को 9,525.07 लाख रुपये की राशि जारी की गई और उपयोग की गई।

(घ) RGM योजना मांग पर आधारित है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों पर दिशा-निर्देशों के अनुसार विचार किया जाता है। वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक संशोधित और पुनर्संरेखित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत गोकुल ग्राम की स्थापना संबंधी घटक को बंद कर दिया गया है।

****

अनुबंध

तमिलनाडु में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत प्रदान की गई वित्तीय सहायता का घटक-वार विवरण

घटक	पिछले 3 वर्षों के दौरान तमिलनाडु को दी गई वित्तीय सहायता	तमिलनाडु में कार्यान्वयन की स्थिति
राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP)	9,115.24 लाख रुपये	पिछले 3 वर्षों के दौरान, 36.13 लाख कृत्रिम गर्भाधान किए गए और 24.14 लाख किसान लाभान्वित हुए।
सीमन केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण	3,001.59 लाख रुपये	पिछले 3 वर्षों के दौरान ईचेनकोट्टई, ऊटी, होसुर और उदगमंडलम में, और वर्ष 2022-23 में अलामाधी में कुल 4 सीमन केंद्रों का सुदृढ़ीकरण किया गया।
ग्रामीण भारत में बहु-उद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (MAITRI)	405 लाख रुपये	प्रत्येक MAITRI को प्रशिक्षण के लिए 31,000 रुपये और उपकरणों के लिए 50,000 रुपये की सहायता दी जाती है। पिछले 3 वर्षों में 475 MAITRI को प्रशिक्षण दिया गया और उपकरण दिए गए।
इन-विट्रो फर्टिलाइज़ेशन (IVF) तकनीक का कार्यान्वयन*	522.64 लाख रुपये	देसी नस्लों को बढ़ावा देने के लिए 522.64 लाख रुपये की सहायता से होसुर और नमक्कल में 2 IVF प्रयोगशालाएँ।
सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक का कार्यान्वयन*	1,863.00 लाख रुपये	उदगमंडलम के ज़िला पशुधन फ़ार्म में 1,863 लाख रुपये की सहायता से सेक्स-सॉर्टेड सीमन सुविधा स्थापित की गई। सेक्स-सॉर्टेड सीमन की कुल 7.79 लाख खुराकें तैयार की गईं। इसके अलावा, अलामाधी में देशी तकनीक वाली एक सेक्स-सॉर्टेड सीमन सुविधा तैयार की गई।
हीफर (Heifer) पालन केंद्र (HRC)#	341.25 लाख रुपये	वर्तमान वित्तीय वर्ष में शिवगंगई, सेलम और तंजावुर में HRCs के लिए 341.25 लाख रुपये की राशि जारी की गई।
नस्ल वृद्धि फार्म (BMF)	273.10 लाख रुपये** सब्सिडी के रूप में	3 BMF स्थापित किए गए हैं (दो कोयंबटूर में और एक विल्लुपुरम में)। कुल संस्वीकृत परियोजना लागत - 1,036.39 लाख रुपये कुल अनुमोदित सब्सिडी - 515.20 लाख रुपये

*वित्तीय वर्ष 2023-24 से पहले जारी निधियां।

#वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान जारी निधियां।

** BMF आवेदकों को सब्सिडी के तौर पर जारी निधियां।